# आपकी राशियाँ 2025

ज्योतिषीय मार्गदर्शन के 365 दिन

डॉ. शंकर अड़ावल

प्र

# आपकी राशियाँ 2025

ज्योतिषीय मार्गदर्शन के 365 दिन

डॉ. शंकर अड़ावल

प्रभात प्रकाशन

# प्रस्तावना

हमारे पौराणिक ग्रंथों के अनुसार जन्म के समय के साथ एक विशिष्ट राशि चिह्न जुड़ा होता है, जो हमारे आंतरिक स्वभाव और व्यक्तित्व को प्रतिबिंबित करता है।

यह राशि चिह्न 12 चिह्नों का हिस्सा है जिसे हिंदू वैदिक ज्योतिष में 'राशि चक्र' के नाम से जाना जाता है। प्रत्येक राशि चिह्न व्यक्ति के आसन्न स्वरूप और भविष्य की घटनाओं के बारे में मोटे तौर पर संकेत देता है, बशर्ते व्यक्ति के जन्म के समय और स्थान का परिकलन उस विशिष्ट राशि चिह्न के साथ किया जाए। इस परिकलन प्रणाली को 'ज्योतिषशास्त्र' कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति के पूरे जीवन को एक शोध सारणी (कुंडली) के माध्यम से देखा जाता है।

अगर हम ज्योतिषशास्त्र की बात करें, तो यह अपने आप में एक रहस्यमयी दिव्य वैज्ञानिक पद्धति है। इसका उद्‌गम कब, कहाँ, क्यों, कैसे और किसके द्वारा हुआ? यह बताना संभव तो नहीं है, लेकिन आधुनिक संसार इसका लोहा मानता जा रहा है।

मेरी रुचि ज्योतिषशास्त्र में बचपन से ही थी और इसका मुख्य कारण मेरे पिता श्री कैलाश चंद्रजी थे, जो ज्योतिष शोध सारणी

के एक जाने-माने गणक थे। उनके द्वारा अपने विद्वान् साथियों के साथ इस विषय पर की जाने वाली चर्चाओं को मैं अकसर सुना करता था। ज्योतिषशास्त्र में अपने 30 साल से अधिक के शोध के दौरान मैंने पाया कि लोगों में अपने स्वभाव एवं भविष्य के बारे में जानने की जिज्ञासा हमेशा बनी रहती है। मेरा मानना है कि कल कोई नहीं देख सकता, लेकिन कल की परिस्थितियों के स्वरूप का अनुमान अवश्य लगाया जा सकता है और यह अनुमान या तो कोई सिद्ध दिव्य आत्मा लगा सकती है या फिर यह रहस्यमयी वैज्ञानिक पद्धति।

अब हम व्यक्ति के स्वभाव और विवेक की बात करेंगे, जो सीधे तौर पर उसके आने वाले कल के लिए जिम्मेदार होते हैं। समस्याएँ किसके जीवन में नहीं होतीं? महत्त्वपूर्ण यह है कि हम उनका सामना कैसे करते हैं? यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने कठिन समय से आसानी से कैसे निकल सकते हैं? हर किसी के कर्म सीधे उसके स्वभाव से जुड़े होते हैं और यह हमारे जीवन के हर पहलू पर लागू होता है। न केवल कर्म, बल्कि जिस तरह से कोई व्यक्ति किसी समस्या का सामना करता है, वह भी उसके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब होता है। हमें कार्य करने के लिए प्रेरित करने वाली शृंखला में हमारा आंतरिक स्वभाव एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है।

मेरा मानना है कि हमारे भविष्य का प्रतिरूप हमारी लग्न और चंद्र राशि के माध्यम से हमारे आने वाले कल को परिलक्षित करता है। गुण, अवगुण और परिस्थितियों का आकलन करने की क्षमता हमारे व्यक्तित्व और प्रवृत्ति पर निर्भर करती है। ऐसे में राशि चिह्न

और ज्योतिषशास्त्र की मदद से हम अपनी आने वाली घटनाओं का सामना बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

हमारी यह पुस्तिका, जो राशि चिह्नों के बारे में है, आपको 2025 में होनेवाली संभावित जीवनशैली से व्यावहारिक स्वरूप में अवगत कराएगी। यह पुस्तिका रिश्तों की गूढ़ता, आपके अंदर के प्रेम प्रवाह या फिर जीवन की कड़वाहट, अन्य राशियों के साथ अनुकूलता तथा वित्तीय और व्यावसायिक निहितार्थों के पहलुओं पर विचार करती है। इस पुस्तिका में प्रत्येक राशि चिह्न के संदर्भ में संभावित रूप से होने वाले रुझानों का ब्यौरा दिया गया है। अत: इसे पढ़ने के बाद आप समय से पहले एक व्यापक दृष्टिकोण अपना सकते हैं, जो आने वाले जीवन के संवेदनशील बिंदुओं और चिंताजनक परिस्थितियों में आत्मविश्वास बनाए रखने में सहायक होगा।

□

# अनुक्रम


*प्रस्तावना* 5

*परिचय* 11

1. **मेष (Aries)** 21 मार्च - 19 अप्रैल 15
2. **वृषभ (Taurus)** 20 अप्रैल - 20 मई 19
3. **मिथुन (Gemini)** 21 मई - 20 जून 23
4. **कर्क (Cancer)** 21 जून - 22 जुलाई 26
5. **सिंह (Leo)** 23 जुलाई - 22 अगस्त 30
6. **कन्या (Virgo)** 23 अगस्त - 22 सितंबर 33
7. **तुला (Libra)** 23 सितंबर - 22 अक्तूबर 37
8. **वृश्चिक (Scorpio)** 23 अक्तूबर - 21 नवबंर 40
9. **धनु (Sagittarius)** 22 नवंबर - 21 दिसंबर 44
10. **मकर (Capricorn)** 22 दिसंबर - 19 जनवरी 47
11. **कुंभ (Aquarius)** 20 जनवरी - 18 फरवरी 50
12. **मीन (Pisces)** 19 फरवरी - 20 मार्च 53

# परिचय

ज्योतिषशास्त्र एक रहस्यमयी दिव्य वैज्ञानिक पद्धति है, जिसमें निरंतर किए जा रहे शोधों से नई-नई जानकारियाँ सामने आती रहती हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह वैज्ञानिक पद्धति अपने आप में एक संपूर्ण विज्ञान है, जिसे कोई भी मानव या संस्था नवीनतम बनाने का दावा नहीं कर सकती। बल्कि यह रहस्यमयी पद्धति समय के साथ स्वयं को सामयिक बनाती रहती है और निरंतर नए पहलुओं को उजागर करती है। ज्योतिषशास्त्र ग्रहों और राशियों की दशाओं पर आधारित होता है, जिसमें जातक के भविष्य का अनुमान उसके जन्म, समय और स्थान के आधार पर बनाई गई शोध सारणी, जिसे हम आम भाषा में कुंडली कहते हैं, के माध्यम से लगाया जाता है। इसी कुंडली की गणना से जातक की जन्म राशि और भविष्य के पैटर्न्स का पता चलता है।

अब हम बात करेंगे राशि और ग्रहों की जिनके आधार पर ज्योतिषशास्त्र काम करता है। ग्रह चक्र पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में अंडाकार आकृति में स्थित है। इसे आकाश में लगभग 12 डिग्री चौड़ी एक बेल्ट के रूप में देखा जा सकता है। यह सूर्य का स्पष्ट

पथ है, जिसे क्रांतिवृत्त के रूप में जाना जाता है। इस पथ पर ग्रह निरंतर अनंतकाल तक यात्रा करते रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में इस ग्रह चक्र को बारह बराबर भागों में विभाजित किया गया है और प्रत्येक भाग में तीस डिग्री का स्थान होता है जिसे राशि चक्र का चिह्न कहा जाता है। इस प्रकार एक चिह्न राशि चक्र का बारहवाँ भाग होता है और इसे 30 डिग्री आकाशीय देशांतर वाला माना जाता है। 30 डिग्री मापने वाली बारह राशियाँ मिलकर 360 डिग्री का एक पूर्ण चक्र बनाती हैं, जिसमें ग्रह एक संकेंद्रित व्यवस्था में अपनी कक्षाओं में घूमते हैं। राशि चक्र की बारह राशियाँ हैं। मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन। ये बारह राशियाँ हैं जिनके माध्यम से ग्रह पश्चिम से पूर्व की और पारगमन करते हैं और अपने क्रम में एक के बाद एक राशि से गुजरते हैं। प्रत्येक राशि का एक विशिष्ट प्रभाव होता है और ग्रह, राशि चक्र में घूमते समय, अपनी प्रकृति और स्थिति के अनुसार प्रभाव डालते हैं।

आधुनिक ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु, केतु, यूरेनस, नेपच्यून और प्लूटो जैसे बारह खगोलीय पिंड हैं; हालाँकि भारतीय ज्योतिष केवल पहले नौ ग्रहों को मान्यता देता है। राशि चक्र के प्रत्येक चिह्न का स्वामित्व एक विशेष ग्रह के पास होता है जिसे उस चिह्न का 'शासक' माना जाता है।

सूर्य और चंद्रमा क्रमशः सिंह और कर्क राशि पर शासन करते हैं, जबकि मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि दो-दो राशियों पर शासन करते हैं। राहु और केतु के कुछ राशियों पर शासन करने के

बारे में विवाद है, लेकिन तथ्य यह है कि वे छाया ग्रह हैं और किसी भी राशि के स्वामी नहीं हैं। वे जिन राशियों में स्थित होते हैं, या जिन राशियों के स्वामी ग्रहों की दृष्टि या युति द्वारा प्रभावित होते हैं, उनके अनुसार अपना प्रभाव डालते हैं। मंगल ग्रह मेष और वृश्चिक पर राज करता है, जबकि बुध ग्रह मिथुन और कन्या राशि पर अत्यधिक प्रभाव डालता है।

अब तक हमने ज्योतिषशास्त्र के गहन नियमों की बात की जिनमें जातक की कुंडली के अध्ययन से उसके भविष्य को देखा जा सकता है। परंतु हमारी इस पुस्तिका में हम बात करेंगे राशियों और आने वाले नववर्ष की। हर एक जातक की अपनी जन्म राशि होती है, जैसा कि हमने पहले बताया। और उस राशि की कुछ अपनी विशेषताएँ होती हैं, जो समय और ग्रहों की स्थितियों के अनुसार बदलती रहती हैं। ऐसे में यदि हम अपनी राशि के आने वाले कल के रुझानों का पता लगा लें, तो हम किसी भी चुनौतीपूर्ण समय के लिए पहले से सतर्क रह सकते हैं।

इसके अलावा विभिन्न राशियों की विशेषताओं के बारे में सामान्य जानकारी होने से हमें अपने आसपास के लोगों के साथ संबंधों में लाभ मिल सकता है, क्योंकि सभी 12 राशियों के ज्योतिषीय लक्षण एक-दूसरे से भिन्न होते हैं। राशियों के मूलभूत ज्ञान से किसी भी व्यक्तित्व को समझना अत्यधिक सरल हो जाता है।

वर्ष 2025 पिछले वर्ष की तुलना में अधिक प्रगतिशील होने जा रहा है। यह हम व्यापक तौर पर इसलिए कह रहे हैं कि देश, नगर या गाँव भी अप्रत्यक्ष रूप से जातक को कठिनाई रहित जीवन जीने

में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मान लीजिए कि देश पर कोई संकट आ जाए, जैसे युद्ध, गृहयुद्ध या आर्थिक संकट, तो क्या आपकी जिंदगी सुचारु रूप से चल सकेगी? बिल्कुल नहीं। कहीं-न-कहीं आपके रोजमर्रा के सामान्य जीवन में रुकावटें तो उत्पन्न होंगी ही। तो हम फिर से कहना चाहेंगे कि वर्ष 2025 भारत देश के लिए अत्यधिक प्रगतिशील होगा।

अब हम बात करेंगे सभी 12 राशियों के वर्ष 2025 में आने वाले प्रभावों की। आइए देखें कि वर्ष 2025 किन संभावित बाधाओं को इंगित करता है। मेरा मानना है कि यदि आप सतर्क और मेहनती हैं, तो आप जो भी लक्ष्य निर्धारित करेंगे, उसे पूरा कर सकते हैं, चाहे ज्योतिषीय पूर्वानुमान कुछ भी हों।

□

# मेष (Aries)

## 21 मार्च–19 अप्रैल

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** मेष, जिसे नर भेड़ के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की पहली राशि है और प्रथम भाव का प्रतिनिधित्व करती है। इसका स्वामी ग्रह मंगल है और यह सिर और मस्तिष्क पर शासन करती है। मेष राशि का संबंध जंगलों और चतुर्पदों से है और इसके गुणों में प्रियश्तोदय (पीछे से उगने वाला), चर, विषम और द्वार राशि (एक द्वार राशि) शामिल हैं। यह खनिज वर्ग से संबंधित है, इसे उग्र और पुरुष राशि माना जाता है और इसका संबंध पूर्व, लाल रंग, रात्रि, बकरी, क्षत्रिय जाति और तेजो तत्त्व (अग्नि तत्त्व) से है।

मेष राशि वसंत ऋतु की पहली राशि है, जो नई शुरुआत और ऊर्जा का प्रतीक है। इस समय प्रकृति में एक नई जीवन शक्ति का संचार होता है, जिससे चारों ओर जीवंतता और ताजगी फैल जाती

है। इसी तरह मेष राशि के जातक अपनी विशेषताओं में इस ऊर्जा का प्रदर्शन करते हैं। वे सामान्यत: स्पष्टवादी, उत्साही, आत्म-केंद्रित और भावुक होते हैं। उनकी स्पष्टवादिता और आत्मविश्वास उन्हें किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रखते हैं, जबकि उनकी ऊर्जा और जोश उन्हें अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने में मदद करते हैं। उनकी भावनात्मक गहराई उन्हें अपने अनुभवों और संबंधों को गहराई से समझने में सक्षम बनाती है।

इस राशि का व्यक्तित्व वसंत ऋतु के नवीकरण और ताजगी के साथ मेल खाता है, जिससे वे अपने आसपास की दुनिया में उत्साह और प्रेरणा का संचार करते हैं।

**कॅरियर और वित्तीय दृष्टिकोण :** वर्ष 2025 आपके जीवन में विशेष रूप से आजीविका के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आ सकता है। जिन जातकों की कुंडली में नवम भाव में गुरु, चंद्रमा या शुक्र जैसे शुभ ग्रह स्थित हैं, उनके लिए विदेश यात्राओं की संभावनाएँ प्रबल रहेंगी। व्यापारिक जातकों के लिए, जिनकी कुंडली में शनि, बुध और शुक्र एक ही भाव में स्थित हैं, यह वर्ष आर्थिक दृष्टिकोण से विशेष रूप से लाभकारी हो सकता है। हालाँकि आर्थिक लाभ के मामले में यह वर्ष मिश्रित परिणाम दे सकता है। कुछ समय में उन्नति और सफलता प्राप्त हो सकती है, जबकि अन्य समय में चुनौतियों का सामना भी करना पड़ सकता है। आपको अपनी रणनीतियों और प्रयासों को समन्वित करना होगा, ताकि आप अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें और संभावित कठिनाइयों का सामना कर सकें।

**शिक्षा और स्वास्थ्य :** विद्यार्थियों को इस वर्ष पढ़ाई में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से यदि उनकी कुंडली में शनि छठे भाव में स्थित हो। स्वास्थ्य समस्याएँ पढ़ाई में रुकावट का मुख्य कारण हो सकती हैं। यदि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह रहते हैं तो समस्याएँ बढ़ सकती हैं। लेकिन निराश न हों—नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली अपनाकर आप इन समस्याओं से बाहर आ सकते हैं। शनि, जो अनुशासन का प्रतीक है, अनुशासन बनाए रखने पर अच्छा फल दे सकता है।

**विवाह और संबंध :** जिन जातकों की कुंडली में शनि सप्तम भाव में स्थित है, उन्हें वर्ष 2025 में दांपत्य जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ससुराल पक्ष के साथ संबंध भी ठीक नहीं रह सकते और विवाह में विलंब हो सकता है। यदि आप नौकरी छोड़कर व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं, तो शुरुआत में असफलता की संभावना अधिक हो सकती है।

**प्रेम जीवन :** प्रेम संबंधों के लिए वर्ष 2025 अनुकूल नहीं दिखाई देता। आपको अपने प्रेमी-प्रेमिका के साथ तालमेल बनाए रखना होगा, अन्यथा रिश्ते में गलतफहमियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। विशेष रूप से उन जातकों के लिए जिनकी कुंडली में मंगल, राहु और केतु शुभ स्थिति में नहीं हैं।

**संपूर्ण दृष्टिकोण :** जिन जातकों की कुंडली में बृहस्पति तीसरे भाव से गोचर कर रहा है, उन्हें वर्ष 2025 की शुरुआत से महत्त्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आपका भाग्य आपके

साथ है और यह वर्ष आपके लिए वित्तीय लाभ और कॅरियर में नई ऊँचाइयों को लाएगा। यदि आप व्यवसाय में हैं तो उच्च लाभ की संभावना है और आपकी आय में वृद्धि होगी, जिससे आप आर्थिक चिंता से मुक्त रह सकते हैं। अक्तूबर में बृहस्पति के चौथे भाव में गोचर के दौरान आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। इस अवधि में आप अपनी मजबूत वित्तीय स्थिति का आनंद लेंगे और नया घर या वाहन खरीदने की संभावना भी बन सकती है। यह वर्ष आपको हर क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए उत्तम परिस्थितियाँ प्रदान करेगा।

□

# वृषभ (Taurus)

## 20 अप्रैल – 20 मई

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** वृषभ, जिसे बैल के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की दूसरी राशि है और इसका स्वामी ग्रह शुक्र है। यह गरदन और गले पर शासन करती है तथा ज्योतिष में द्वितीय भाव से जुड़ी होती है। वृषभ का संबंध घास के मैदानों और दलदली क्षेत्रों से है, यह एक चतुर्पद राशि है और इसमें स्थिर, सम और बाह्य राशि के गुण होते हैं। यह वैश्य जाति से संबंधित है और पृथ्वी तत्त्व (पृथ्वी तत्त्व) का प्रतिनिधित्व करती है।

वृषभ राशि का चिह्न बैल है, जो दृढ़ता और स्थिरता का प्रतीक है। राशि चक्र में यह राशि दूसरे स्थान पर आती है, मेष और मिथुन के बीच। वृषभ राशि के लोग आमतौर पर परिवर्तन को आसानी से स्वीकार नहीं करते। वे अपने वातावरण और परिस्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, इसलिए उन्हें अनुकूलन के लिए

अधिक समय की आवश्यकता होती है। उनका परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध उनके स्वभाव का एक स्वाभाविक हिस्सा है। "यह इसलिए है, क्योंकि वृषभ एकमात्र स्थिर पृथ्वी राशि है।"

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** वर्ष 2025 में वृषभ राशि के जातक अपने कार्यक्षेत्र के लिए नई योजनाएँ बना सकते हैं। आप अपने व्यवसाय या नौकरी में बदलाव कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप आपको अपने परिवार से दूर जाना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति की दृष्टि से 2025 आपके लिए बहुत अनुकूल रहेगा। यह साल चुनौतीपूर्ण तो होगा, लेकिन आपके लिए लाभदायक भी साबित होगा। आपका भाग्य आपके साथ है और आप अपनी आय में सकारात्मक बदलाव देखेंगे। इसलिए 2025 में अपने मन को संतुलित रखना महत्त्वपूर्ण होगा।

**ग्रहों का प्रभाव :** दूसरे भाव में बृहस्पति का गोचर आपके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आएगा। जल्दबाजी में लिये गए निर्णय गलत हो सकते हैं, इसलिए अपने वित्तीय मामलों में सावधानी बरतें और हर निर्णय सोच-समझकर लें। अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर चलना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आर्थिक स्थिति में भी बदलाव होते रहेंगे। अगर आपकी कुंडली में दशम भाव में शुक्र का भाव बन रहा है, तो आपको अपने पिता से आर्थिक सहायता लेनी पड़ सकती है। संभवतः आप अपने परिवार के सदस्यों से ऋण भी ले सकते हैं, लेकिन आपका

वैवाहिक जीवन मधुर रहेगा और संतान सुख के भी योग बन रहे हैं। अविवाहित जातकों के लिए प्रेम संबंध बनने के योग हैं और आपको अपने प्रेमी से बहुत खुशी मिलेगी।

**शिक्षा :** वृषभ राशि के उन जातकों के लिए जिनकी कुंडली में नवम और एकादश भाव बन रहा है, उच्च शिक्षा के योग बन रहे हैं। छात्रों की शिक्षा में प्रगति होगी, विशेष रूप से जीवविज्ञान, शोध, प्रबंधन और लेखा जैसे क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए। एकादश भाव जातकों की निष्ठा, आशाओं और नक्षत्रों का बोध कराता है और यह भाव कार्य, उच्च शिक्षा, विदेशी कोचिंग, चुनाव, मुकदमा, सट्टा, लेखन और स्वास्थ्य आदि को संदर्भित करता है।

**स्वास्थ्य :** स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल रहेगा। वृषभ राशि के जातकों की कुंडली में लग्न भावेश भाव बन रहा है, जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के संकेत देता है। जिन जातकों को किसी बीमारी का सामना करना पड़ रहा है, उनके लिए वर्ष 2025 लाभकारी सिद्ध होगा। छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, लेकिन कोई भी गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी। मार्च 2025 में शनि का ग्यारहवें भाव से गोचर आपके जीवन में राहत लेकर आएगा और आपकी परिस्थितियाँ धीरे-धीरे बेहतर होंगी।

**सावधानियाँ :** हालाँकि मई 2025 में राहु का दसवें भाव से और केतु का चौथे भाव से गोचर आपके जीवन में परेशानियाँ ला सकता है। इस दौरान आर्थिक समस्याओं और पारिवारिक तनाव

का सामना करना पड़ सकता है। बढ़े हुए खर्च और उधारी आपकी परेशानियों को बढ़ा सकते हैं। यह अवधि कुछ वृषभ राशि के जातकों को विशेष रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए 2025 में आपको अपनी समस्याओं का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने से बचना चाहिए।

□

# मिथुन (Gemini)

## 21 मई–20 जून

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** मिथुन, जिसे जुड़वाँ के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की तीसरी राशि है और इसका शासन तृतीय भाव पर होता है। इसका संबंध ऊभायोदया (दोनों भागों में उदय) से है, यह एक सामान्य राशि है और इसमें विषम, गर्भ (गर्भ जैसे) और मानव राशि के गुण होते हैं। मिथुन को उग्र और पुरुष राशि माना जाता है और इसका संबंध पश्चिम दिशा, हरे रंग, गाँवों, गरदन, रात्रि, शूद्र जाति और वायु तत्त्व से होता है।

मिथुन राशि परिवर्तन और संचार का प्रतीक है तथा यह राशि चक्र में तीसरा ज्योतिषीय चिह्न है। 21 मई से 21 जून के बीच जन्म लेने वाले लोग इस राशि के अंतर्गत आते हैं। मिथुन राशि के जातक शौकीन मिजाज के साथ-साथ अत्यधिक होशियार होते हैं।

**सामान्य जीवन और कॅरियर :** वर्ष 2025 मिथुन राशि के जातकों के लिए खुशियाँ, सफलता और समृद्धि लेकर आएगा। यह साल आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा और आपके जीवन में कई बदलाव के अवसर आएँगे। ग्रहों की चाल यह संकेत देती है कि आपके भाग्य का बंद दरवाजा हमेशा के लिए खुल सकता है।

**ग्रहों का प्रभाव :** मई 2025 से बृहस्पति आपके प्रथम भाव में गोचर करेगा, जो आपके जीवन में अनुकूल परिस्थितियाँ लेकर आएगा। यह समय आपके लिए कुछ बड़ा हासिल करने का होगा। छात्रों के लिए यह समय बहुत लाभकारी रहेगा; अनुशासन और मेहनत से वे बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे।

मार्च 2025 में शनि मिथुन राशि के दशम भाव में गोचर करेगा। यह गोचर नौकरीपेशा लोगों के कॅरियर को बढ़ावा देगा। आप अपने कार्यस्थल पर कोई महत्त्वपूर्ण पद पाने में सफल होंगे और व्यापारियों के लिए भी यह समय अच्छा मुनाफा लेकर आएगा। आर्थिक स्थिति भी मजबूत रहेगी और इस वर्ष आप खूब धन कमा सकते हैं।

29 मई, 2025 को राहु मिथुन राशि के नवम भाव में गोचर करेगा, जिससे विदेश जाने के अवसर मिल सकते हैं। आप उच्च शिक्षा या व्यापारिक कामों के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं।

**स्वास्थ्य और परिवार :** मई 2025 में केतु तीसरे भाव में गोचर करेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा और आपको हर काम में उल्लेखनीय सफलता मिलने की

संभावना है। इस साल आप सेहतमंद रहेंगे और अपने मजबूत शरीर और मानसिक स्थिरता का आनंद लेंगे। आपके अंदर ऊर्जा और जोश भरा महसूस होगा, जो आपको खुश और संतुष्ट रखेगा।

हालाँकि इस अवधि में आपके पिता का स्वास्थ्य प्रतिकूल रह सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी से आपको अपार सुख और सहयोग मिलेगा। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपतियों की इच्छा इस समय पूरी हो सकती है और घर में कोई मांगलिक कार्यक्रम आयोजित होने की संभावना है।

सितंबर माह से माता को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। इस समय में आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा सतर्क रहना होगा, क्योंकि जोड़ों में दर्द और दीर्घकालिक रोग होने की संभावना है।

**निष्कर्ष :** कुल मिलाकर 2025 मिथुन राशि के जातकों के लिए बदलाव और प्रगति का वर्ष होगा। हालाँकि कुछ चुनौतियाँ हो सकती हैं, लेकिन यह साल आपको व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही क्षेत्रों में नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा।

□

# कर्क (Cancer)

## 21 जून–22 जुलाई

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** कर्क, जिसे केकड़े के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की चौथी राशि है और इसका शासन चतुर्थ भाव पर होता है। यह स्तनों और पेट पर शासन करती है और इसका संबंध जलीय वातावरण, प्रियश्तोदय (पीछे से उदय) और चर तथा सम राशि से है। कर्क को द्वार राशि (गेटवे राशि) माना जाता है, यह खनिज वर्ग से संबंधित है और यह कोमल, स्त्रीलिंग और उत्तर दिशा से जुड़ी होती है। इसका संबंध हृदय, रात्रि, सफेद रंग, ब्राह्मण जाति, जल तत्त्व और जलीय जीवों से होता है। कर्क राशि के जातक धातु कर्म, पागलपन, वायवीय रोगों और बेस्वाद से भी जुड़े हो सकते हैं।

कर्क राशि का चिह्न केकड़ा है, जो भावुकता और सुरक्षा की प्रवृत्ति को दरशाता है। कर्क राशि मिथुन के पूर्व एवं सिंह के पश्चिम में स्थित है और इसका समय गरमियों के मध्य में होता है।

कर्क राशि के जातक ईमानदार, वफादार, दयालु, धर्मी और अदम्य होते हैं, लेकिन साथ ही वे भावुक, संवेदनशील और कभी-कभी असुरक्षित भी महसूस कर सकते हैं। उन्हें खुश करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है और वे उन्माद से ग्रस्त हो सकते हैं। यह राशि अत्यंत संवेदनशील और पारिवारिक होती है।

**सामान्य जीवन और कॅरियर :** वर्ष 2025 में कर्क राशि के जातकों को कम प्रयासों में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन सफलता के लिए पूरी लगन और निष्ठा से काम करना होगा। इसलिए अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखते हुए अपने कार्य को निरंतरता से करते रहना महत्त्वपूर्ण होगा।

**ग्रहों का प्रभाव :** वर्ष 2025 की शुरुआत से मई तक बृहस्पति आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा। इस अवधि के दौरान आपको अपने जीवन में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। आपके जीवन में खुशियाँ और मानसिक शांति आएगी। आपका वैवाहिक जीवन भाग्य के आशीर्वाद से परिपूर्ण रहेगा और आपके रिश्तों में प्यार और रोमांस की मिठास बनी रहेगी।

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय आनंददायक रहेगा और आप अपनी कार्यकुशलता के बल पर कई कार्य समय पर पूरे कर पाएँगे। बृहस्पति के इस गोचर के दौरान आपको अपनी नौकरी के चलते कई आधिकारिक यात्राओं पर जाना पड़ सकता है, जो आपके लिए लाभकारी सिद्ध होंगी। सितंबर के बाद आपको पदोन्नति मिलने की संभावनाएँ बन रही हैं और वरिष्ठ अधिकारियों का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा। आप व्यापार के लिए लोन भी ले सकते हैं।

विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रहेगा, बशर्ते वे अनुशासित रहें। अच्छे और बुरे ग्रहों की स्थितियों के आधार पर आपको अपने नैतिक या अनैतिक जीवन का फल मिलेगा। ज्योतिषशास्त्र एक दिव्य वैज्ञानिक पद्धति है, जो आपके जीवन के साथ स्वचालित रूप से काम करती है और आपके कर्मों का फल आपको ग्रहों की चाल के अनुसार मिलता है।

**विवाह और संबंध :** मई 2025 से राहु आपके अष्टम भाव में और केतु आपके दूसरे भाव में गोचर करेगा। ग्रहों की यह स्थिति आपके जीवन में कुछ परेशानियों को ला सकती है। आपके अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं और आपका बजट बिगड़ सकता है। इसलिए आर्थिक मामलों को लेकर आपको सतर्क रहने की आवश्यकता होगी।

इस समय में शेयर बाजार और लॉटरी में निवेश करने से बचें। मित्रों और साझेदारों से व्यापार में अच्छा सहयोग मिलने के संकेत हैं, लेकिन दांपत्य जीवन में कुछ नीरसता आ सकती है। जीवनसाथी को आपके स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और अगर आप अपने प्रियतम से अपनी भावनाएँ व्यक्त करने की सोच रहे हैं, तो यह समय अनुकूल रहेगा।

**स्वास्थ्य और वित्त :** साल 2025 कर्क राशिवालों के लिए एक रोलर कोस्टर की तरह रहेगा। आपको अपने स्वास्थ्य और वित्तीय मामलों के प्रति विशेष रूप से सतर्क रहना होगा। हालाँकि सही दिशा में ध्यान देने से आप इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक

सामना कर सकते हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

**निष्कर्ष :** कुल मिलाकर 2025 कर्क राशि के जातकों के लिए अवसरों और चुनौतियों का वर्ष होगा। ग्रहों की चाल और आपके प्रयास मिलकर आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। सतर्कता और अनुशासन इस साल आपके लिए सफलता की कुंजी होगी।

□

# सिंह (Leo)

## 23 जुलाई–22 अगस्त

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** सिंह, जिसे शेर के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की पाँचवीं राशि है और इसका शासन पंचम भाव पर होता है। इसका संबंध हृदय और पीठ से है और यह पर्वतों, चतुर्पदों और शीर्षोदय (सिर से उदय) से जुड़ी होती है। सिंह एक स्थिर और विषम राशि है, इसे बाह्य राशि माना जाता है, और इसका संबंध वनस्पति साम्राज्य से होता है। यह उग्र, पुल्लिंग और पूर्व दिशा से जुड़ी होती है तथा यह पेट, दिन और क्षत्रिय जाति पर शासन करती है। सिंह का संबंध तेजो तत्त्व (अग्नि तत्त्व) से होता है।

सिंह राशि ज्योतिषीय राशि चक्र में कर्क के पूर्व और कन्या के पश्चिम में स्थित पाँचवें स्थान पर आती है। सिंह राशि के लोग स्वभाव से महत्त्वाकांक्षी होते हैं और अपने प्रयासों से दूसरों से

अलग दिखना चाहते हैं। उनमें श्रेष्ठता की भावना और प्रशंसा पाने की लालसा होती है, जिसके कारण वे कभी-कभी दिखावटी लग सकते हैं। लेकिन उनका आत्मविश्वास अद्वितीय होता है। सिंह राशि के जातक बहादुर, उत्साही और दोस्तों के प्रति वफादार होते हैं।

**साल की शुरुआत :** 2025 की शुरुआत सिंह राशि के जातकों के लिए काफी खुशियों से भरी होगी। भाग्योदय की परिस्थितियाँ उत्पन्न होने लगेंगी और आपको कई अच्छी खबरें मिलेंगी। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति आपके दशम भाव में गोचर करेगा, जो आपके कॅरियर, व्यवसाय और नौकरी से संबंधित है। इस अवधि में आपको मनचाही नौकरी मिलने की संभावना है।

मई 2025 से बृहस्पति सिंह राशि के ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा। इस गोचर से आपकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। आय में वृद्धि के साथ-साथ आप अधिक बचत करने में भी सक्षम होंगे। दांपत्य जीवन संतोषजनक रहेगा और आपके पार्टनर के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे। इस वर्ष आपके प्रेम संबंधों में घनिष्ठता बढ़ेगी और व्यापारियों के लिए यह समय लाभकारी रहेगा। आपके विरोधी आपके नियंत्रण में रहेंगे और आर्थिक स्थिति अच्छी रहने के संकेत हैं। आय के नए द्वार खुलने की संभावना है।

छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं और आपके घर में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। आपकी आध्यात्मिक और धार्मिक रुचियाँ बढ़ सकती हैं।

**साल की दूसरी छमाही :** वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में चुनौतियाँ और बाधाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। मार्च 2025 से शनि

सिंह राशि के अष्टम भाव में गोचर करेगा, जिससे आपके जीवन में परेशानियाँ उभरने लगेंगी। इस अवधि में आपको कई कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि राहु और केतु के प्रथम और सप्तम भाव से गोचर करने से आपको कुछ राहत मिल सकती है।

इस समय में आपको विदेश से जुड़े मामलों में अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन अपने रिश्तों में आप खुश और संतुष्ट नहीं रहेंगे। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह समय कमजोर नजर आ रहा है। आपको वायुजनित रोगों और लगातार खराब स्वास्थ्य से जूझना पड़ सकता है।

**कॅरियर और स्थानांतरण :** सिंह राशिफल 2025 के अनुसार इस वर्ष आपको नौकरी में तबादले का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपके घर से दूर रहने की संभावना है।

**निष्कर्ष :** कुल मिलाकर 2025 सिंह राशि के जातकों के लिए एक ऐसा वर्ष होगा, जिसमें खुशियों और चुनौतियों का मिश्रण होगा। जबकि वर्ष की शुरुआत सकारात्मक और सुखद रहेंगी, वर्ष का उत्तरार्ध विकट चुनौतियाँ ला सकता है। सतर्कता और धैर्य के साथ इन परिस्थितियों का सामना करने पर आप इस साल को सफलतापूर्वक पार कर सकते हैं।

□

# कन्या (Virgo)

## 23 अगस्त–22 सितंबर

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** कन्या, जिसे कन्या (वर्जिन) के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की छठी राशि है और इसका शासन षष्ठ भाव पर होता है। यह आँतों पर शासन करती है और इसका संबंध नगरों, जल और अनाज से भरी भूमि और पहले आधे में द्विपद के रूप में होता है। कन्या शीर्षोदय (सिर से उदय होने वाली), एक सामान्य और सम राशि है, गर्भ (गर्भ जैसी) और मानव राशि है। यह कोमल, स्त्रीलिंग और दक्षिण दिशा से जुड़ी होती है। कन्या का संबंध विभिन्न रंगों, कमर, दिन, कन्या, वैश्य जाति और पृथ्वी तत्त्व से होता है।

कन्या राशि सिंह के पूर्व और तुला के पश्चिम में स्थित राशि चक्र में छठी राशि है। कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रह हैं और इनके इष्ट देव भगवान् गणेश और विष्णुजी हैं। कन्या राशि के लिए वृष,

कुंभ और मकर मित्र राशियाँ हैं, जबकि धनु, मेष और कर्क राशि के जातकों से आपकी अपेक्षाकृत कम पटरी बैठेगी। कन्या राशि के लोग पूर्णतावाद की खोज में रहते हैं और प्रेरित तथा आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं। आपको प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है और कन्या राशि के पुरुषों में दृढ़ निश्चय और महिलाओं में ज्ञान की तीव्र प्यास होती है।

**वर्ष 2025 के प्रमुख प्रभाव :** वर्ष 2025 कन्या राशि के जातकों के लिए शानदार परिणाम लेकर आएगा। यह साल आपके जीवन में किस्मत के दरवाजे खोलकर सुनहरे अवसर प्रदान करेगा। इन अवसरों का सही तरीके से उपयोग कर आप अपने कॅरियर में ऊँचाइयों को छू सकते हैं। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति आपके नवम भाव में गोचर करेगा और मई 2025 से यह दशम भाव में गोचर करेगा। इसके बाद अक्तूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक बृहस्पति आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा। बृहस्पति का यह गोचर आपके जीवन में पूरे साल अविश्वसनीय परिणाम लेकर आएगा।

29 मई से राहु आपके छठे भाव में और केतु आपके बारहवें भाव में गोचर करेगा। इस गोचर के प्रभाव से लाख कोशिशों के बावजूद आपके प्रतिस्पर्धी आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचा पाएँगे। विदेशी स्रोतों से धन जुटाने के कई अवसर आपके सामने आ सकते हैं, लेकिन केतु के बारहवें भाव में गोचर करने से आपके खर्चों में भी भारी वृद्धि हो सकती है। धार्मिक कार्यों में आपकी सक्रिय भागीदारी रहेगी। बृहस्पति के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, आपको

बृहस्पति की पूजा करने की सलाह दी जाती है, ताकि आप अपने लंबित कार्यों को एक-एक करके सफलतापूर्वक पूरा कर सकें।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** नौकरीपेशा लोगों के लिए साल 2025 एक नया सवेरा लेकर आ सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार की प्रबल संभावनाएँ हैं। इस साल आपको तरक्की के कई अवसर मिलेंगे और आप पैसे कमाने के लिए नई-नई तरकीबें आजमाते रहेंगे जिससे बड़ा मुनाफा हो सकता है। सामाजिक या धार्मिक कार्यों पर भी आप कुछ धन खर्च करेंगे, जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम लेकर आएगा। आप पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करेंगे और आपका मनोबल ऊँचा रहेगा।

**स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन :** इस साल माता के स्वास्थ्य को लेकर आपकी चिंताएँ बढ़ सकती हैं, इसलिए आपको उनकी देखभाल पर विशेष ध्यान देना होगा। आप और आपके जीवनसाथी की आध्यात्मिक गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। विज्ञान के प्रति आपकी रुचि जागृत हो सकती है, जिससे आप नए-नए विषयों में गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर बने रहेंगे और आप दोनों के बीच का प्रेम दिनोदिन बढ़ता जाएगा।

**प्रेम और स्वास्थ्य :** प्रेम संबंधों के लिए यह साल सामान्यत: अनुकूल रहेगा, लेकिन प्यार में जिद्दी रवैया अपनाने से बचें और एक-दूसरे के सम्मान का खयाल रखें। स्वास्थ्य के लिहाज से यह साल आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा और आप मानसिक रूप से प्रसन्न और संतुष्ट महसूस करेंगे।

**निष्कर्ष :** कन्या राशिफल 2025 के अनुसार यह साल आपके लिए प्रगति और समृद्धि के कई अवसर लेकर आएगा। आपके सामने चुनौतियाँ भी आएँगी, लेकिन आप अपने धैर्य, प्रोत्साहन और बुद्धिमानी से इनका सामना करने में सक्षम होंगे। परिवार और प्रेम संबंधों में संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ अपने कॅरियर और शिक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करें, जिससे आप इस साल को सफल और संतोषजनक बना सकें।

□

# तुला (Libra)

## 23 सितंबर–22 अक्तूबर

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** तुला, जिसे तराजू (बैलेंस) के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की सातवीं राशि है और इसका शासन सप्तम भाव पर होता है। यह कमर और गुर्दों पर शासन करती है और इसका संबंध वैश्य वर्ग से है। तुला पहले आधे में द्विपद, शीर्षोदय (सिर से उदय होनेवाली), चर, विषम और द्वार राशि (गेटवे साइन) है। यह खनिज वर्ग से संबंधित है और इसे उग्र, पुल्लिंग, और पश्चिम दिशा से जुड़ा हुआ माना जाता है। तुला का संबंध गहरे रंगों, दिन, वजन और संतुलन, शूद्र जाति, वायु तत्त्व और व्यापारिक दिमाग वाली मानव राशि से होता है।

तुला राशि ज्योतिषीय राशि चक्र में सातवें स्थान पर स्थित है, जो कन्या के पूर्व और वृश्चिक के पश्चिम में आता है। तुला राशि के लोग समानता और सद्भाव का पालन करते हैं और वे सुरुचिपूर्ण, सहज और सौम्य होते हैं। तुला राशि के जातक उत्कृष्ट

सामाजिक कौशल से संपन्न होते हैं और ईमानदारी का पालन करते हैं। हालाँकि बड़े निर्णय लेने में उन्हें थोड़ा समय लगता है।

**वर्ष 2025 के प्रमुख प्रभाव :** वार्षिक राशिफल 2025 के अनुसार यह साल तुला राशिवालों के जीवन में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव लेकर आएगा। कभी-कभी ये बदलाव आपके लिए सकारात्मक साबित होंगे, लेकिन कुछ समय आपको चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का भी सामना करना पड़ सकता है। साल के शुरुआती महीनों में बृहस्पति आपके अष्टम भाव में गोचर करेगा, जिससे आपके जीवन में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना है। मई 2025 से बृहस्पति नवम भाव में गोचर करेगा और अक्तूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक दशम भाव में रहेगा। यह अवधि आपके लिए बहुत ही शुभ साबित हो सकती है और आप इसे अपने जीवन का स्वर्णिम काल मान सकते हैं।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** इस वर्ष आप काफी उत्साह और ऊर्जा महसूस करेंगे। आपको अपने प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। नौकरी में अचानक लाभ या पदोन्नति मिलने की संभावना है। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे और आपको अपने सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखने की जरूरत होगी। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं, तो यह समय अनुकूल हो सकता है। काम के सिलसिले में हवाई यात्रा के भी योग बन रहे हैं। जो लोग सौंदर्य या कला से जुड़े व्यवसाय में हैं, उन्हें इस साल अच्छा मुनाफा मिलने की उम्मीद है।

**चुनौतियाँ और सावधानियाँ :** हालाँकि वर्ष 2025 में आपको हमेशा इस सकारात्मक माहौल का आनंद नहीं मिलेगा। मार्च 2025

से शनि आपके छठे भाव में गोचर करेगा, जिससे आपको जीवन में निराशा और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यस्थल पर कठिनाइयाँ और रिश्तों में मनमुटाव हो सकता है। 29 मई से राहु आपके पाँचवें भाव और केतु आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा, जिससे जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस समय किसी भी निवेश में जोखिम लेने से बचें।

**शिक्षा और पारिवारिक जीवन :** छात्रों के लिए यह समय थोड़ा कठिन साबित हो सकता है। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अगर आप महसूस करते हैं कि समय आपके पक्ष में नहीं है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें और अपने माता-पिता या अन्य परिवार के सदस्यों से सलाह लें। परिवार और संतान से जुड़ी समस्याएँ आपकी चिंता बढ़ा सकती हैं।

**स्वास्थ्य :** स्वास्थ्य के लिहाज से यह साल सावधानी बरतने का है। राहु और केतु के गोचर के कारण स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अगर आप थोड़ी भी लापरवाही करेंगे तो यह आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

**निष्कर्ष :** तुला राशिफल 2025 के अनुसार यह साल आपके जीवन में उतार-चढ़ाव लेकर आएगा। आपको कई अच्छे अवसर मिलेंगे, लेकिन आपको सतर्क और सावधान रहना होगा। अपने जीवन के हर महत्त्वपूर्ण फैसले को सोच-समझकर लें और पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी मामलों में सतर्कता बरतें। ऐसा करने से आप इस साल को सफलतापूर्वक पार कर पाएँगे।

□

# वृश्चिक (Scorpio)

## 23 अक्तूबर–21 नवंबर

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** वृश्चिक, जिसे बिच्छू के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की आठवीं राशि है और इसका शासन अष्टम भाव पर होता है। यह शरीर के गुप्त अंगों पर शासन करती है और इसका संबंध गड्ढों, गुहाओं, सरीसृपों या कनखजूरों से है। वृश्चिक शीर्षोदय (सिर से उदय होने वाली), स्थिर, सम और बाह्य राशि मानी जाती है। इसका संबंध वनस्पति साम्राज्य से है, यह कोमल, स्त्रीलिंग और उत्तर दिशा से जुड़ी होती है। यह राशि भूरे रंग, अच्छी तरह से विकसित यौन अंगों, दिन, बिच्छू, ब्राह्मण जाति और जल तत्त्व (जल तत्त्व) से जुड़ी होती है।

वृश्चिक राशि ज्योतिषीय राशि चक्र की आठवीं राशि है, जो सामान्यत: बिच्छू के चिह्न को दरशाती है। यह राशि रहस्यमय मानी जाती है, क्योंकि वृश्चिक राशि के जातक अपनी भावनाओं

को कठोर बाहरी आवरण के पीछे छिपाकर रखते हैं। ये लोग अपनी गोपनीयता पर बहुत ध्यान देते हैं और अपनी सोच को छिपाने में माहिर होते हैं, जो उन्हें दूसरों के लिए आकर्षक और दिलचस्प बनाता है। उनकी एक मजबूत उपस्थिति होती है, जिससे लोग उनकी ओर खिंचते हैं, लेकिन वे अपना असली रूप बहुत कम ही दिखाते हैं।

**वर्ष 2025 के प्रमुख प्रभाव :** वृश्चिक राशि के लिए वर्ष 2025 एक वरदान के समान रहेगा। इस साल ग्रहों का शुभ संयोग आपके लिए लाभकारी परिणाम लेकर आएगा और आपकी कई लंबित इच्छाएँ पूरी हो सकती हैं।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** साल के शुरुआती महीनों में बृहस्पति सप्तम भाव में गोचर करेगा, जिससे आपका वैवाहिक जीवन मधुर रहेगा। मई 2025 से बृहस्पति के अष्टम भाव में गोचर करने से आपको परिवार और प्रेम संबंधों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि अक्तूबर से दिसंबर 2025 तक बृहस्पति के नवम भाव में गोचर करने से आपको आय में वृद्धि और कॅरियर में प्रगति के अच्छे अवसर मिलेंगे।

शनि ग्रह मार्च 2025 से पहले आपके चौथे भाव में गोचर करेगा, जिससे आपको भूमि, मकान और वाहन के मामले में अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। इसके बाद शनि पंचम भाव में रहेगा, जिससे आपको अपार सुख और मानसिक शांति की प्राप्ति होगी।

राहु और केतु का गोचर मई 2025 से आपके चौथे और दशम भाव में होगा, जिससे आपको कार्यस्थल पर संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है और नौकरी बदलने के योग बन सकते हैं। खर्चों में अप्रत्याशित वृद्धि होने की संभावना भी है।

जो वृश्चिक जातक पूँजी निवेश और शेयर बाजार में हैं, उनके लिए यह साल सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अप्रत्याशित धन लाभ के योग बन सकते हैं और आप संपत्ति में निवेश से भी अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

**शिक्षा और पारिवारिक जीवन :** छात्रों के लिए यह साल उत्कृष्ट रहेगा। उन्हें कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने की संभावना है। आपकी शिक्षा यात्रा में उल्लेखनीय सफलता मिल सकती है।

आपके परिवार की खुशियों में वृद्धि के संकेत भी हैं। मित्रों और भाई-बहनों की मदद से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन में भी सकारात्मकता बनी रहेगी और प्रेम जीवन में आप रोमांटिक मूड में रहेंगे।

**स्वास्थ्य :** वर्ष 2025 में आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है। आपका मनोबल ऊँचा रहेगा, जिससे आपके काम तेजी से आगे बढ़ेंगे। सामान्य बीमारियाँ आपका रास्ता नहीं रोक पाएँगी और आप अपनी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा का पूरा लाभ उठा पाएँगे।

**निष्कर्ष :** वृश्चिक राशिफल 2025 के अनुसार यह साल आपके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। आपको

कॅरियर, वित्त और व्यक्तिगत जीवन में अपार सफलता प्राप्त होगी। हालाँकि परिवार और प्रेम संबंधों में थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आपका धैर्य और समझदारी से आप सभी कठिनाइयों को पार कर पाएँगे।

□

# धनु (Sagittarius)

## 22 नवंबर–21 दिसंबर

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** धनु, जिसे धनुर्धारी के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की नौवीं राशि है और इसका शासन नवम भाव पर होता है। यह जाँघों पर शासन करती है और इसका संबंध राजा के निवास स्थान से है। इस राशि का पहला आधा भाग द्विपद है, जबकि दूसरा आधा भाग चतुर्पद है। धनु प्रियश्तोदय (पीछे से उदय होने वाली), सामान्य, विषम और गर्भ राशि है। यह उग्र, पुल्लिंग और पूर्व दिशा से जुड़ी होती है। इस राशि का संबंध भूरे रंग, जंगलों, बगीचों, जाँघों, रात्रि, तीर और तेजो तत्त्व (अग्नि तत्त्व) से होता है।

धनु राशि का प्रतीक चिह्न तीर कमान है, जो इस राशि के जातकों के स्वभाव को दरशाता है। धनु राशि के लोग स्वतंत्रता पसंद करते हैं, साहसी होते हैं और किसी भी चुनौती का सामना

करने में सक्षम होते हैं। इनका आत्मविश्वास और अपराजेय दृढ़ता इन्हें किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। धनु राशि, राशि चक्र की नौवीं राशि है और इसके जातक स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

**वर्ष 2025 के प्रमुख प्रभाव :** 2025 की शुरुआत धनु राशि के जातकों के लिए थोड़ी धीमी रहेगी। साल के शुरुआती महीनों में आपको बृहस्पति के छठे भाव में गोचर के कारण कई संघर्षों का सामना करना पड़ सकता है। यह समय कॅरियर और स्वास्थ्य के मामले में चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आपको सलाह दी जाती है कि मई 2025 तक अपने निर्णयों में बहुत सतर्क रहें। इस दौरान वित्तीय विवादों और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ सकता है।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** मार्च 2025 में शनि के धनु राशि के चौथे भाव में गोचर करने से आपको परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। हालाँकि मई 2025 से अक्तूबर 2025 तक आपकी परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है। इस समय राहु के चौथे भाव में और केतु के नौवें भाव में गोचर करने से आपका भाग्य चमकेगा।

आप नई संपत्ति खरीद सकते हैं और व्यवसाय में उच्च लाभ कमा सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह समय बेहतरीन रहेगा और वे अपने प्रदर्शन से सराहना प्राप्त करेंगे। अक्तूबर 2025 से 5 दिसंबर, 2025 तक बृहस्पति के आठवें भाव में गोचर करने से आर्थिक लाभ की संभावनाएँ बढ़ेंगी, जिससे आपके जीवन में खुशियाँ और समृद्धि आएगी।

**पारिवारिक जीवन :** वर्ष 2025 आपके पारिवारिक जीवन में भी खुशियाँ लाएगा। आप अपनी प्रभावशाली वाणी से लोगों को प्रभावित कर पाएँगे और परिवार में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है और आप आध्यात्मिक विषयों की ओर अधिक झुकाव महसूस करेंगे।

**स्वास्थ्य और प्रेम जीवन :** आपका स्वास्थ्य इस वर्ष अच्छा रहेगा। आप अपने शरीर में नई ऊर्जा और ताकत का संचार महसूस करेंगे और मानसिक रूप से भी तरोताजा रहेंगे।

प्रेम जीवन के मामले में आपका झुकाव अपने प्रेमी की ओर अधिक रहेगा और आपको उनसे कोई महँगा उपहार मिलने की संभावना है। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा और आप अपने जीवनसाथी के साथ किसी रोमांचक यात्रा का आनंद उठा सकते हैं।

**निष्कर्ष :** धनु राशिफल 2025 के अनुसार यह साल आपके जीवन में खुशियों और समृद्धि का वर्ष होगा। आपके कॅरियर, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन में सकारात्मक बदलाव आएँगे। हालाँकि साल की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन मई के बाद से आपका भाग्य चमकेगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी।

□

# मकर (Capricorn)

## 22 दिसंबर–19 जनवरी

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** मकर, जिसे बकरी के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की दसवीं राशि है और इसका शासन दशम भाव पर होता है। यह घुटनों एवं त्वचा पर शासन करती है और इसका संबंध पानी से भरपूर जंगलों से है, जहाँ इसका दूसरा आधा भाग जलीय जीवों से और पहला आधा भाग चतुर्पदों से जुड़ा होता है। मकर प्रियश्तोदय (पीछे से उदय होने वाली), चर, सम और द्वार राशि है। यह खनिज वर्ग से संबंधित है, कोमल, स्त्रीलिंग और दक्षिण दिशा से जुड़ी होती है। इस राशि का संबंध मिश्रित रंगों, निर्जीव नदियों, घुटनों, रात्रि, मगरमच्छों, वैश्य जाति और पृथ्वी तत्त्व से होता है।

मकर राशि का प्रतीक चिह्न सींगवाला बकरा है, जो इसकी दृढ़ता, तर्कसंगतता, जिम्मेदारी और सहनशीलता का प्रतीक है।

मकर राशि, राशि चक्र में दसवें स्थान पर है, जो धनु राशि के पूर्व और कुंभ राशि के पश्चिम में स्थित है। मकर राशि के जातक अपनी मेहनत, अनुशासन और धैर्य के लिए जाने जाते हैं।

वर्ष 2025 मकर राशि के जातकों के लिए मध्यम परिणामों के साथ कई शानदार परिणाम लेकर आएगा। साल की शुरुआत में बृहस्पति मकर राशि के पंचम भाव में गोचर करेगा, जिससे आपकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मई 2025 से बृहस्पति मकर राशि के छठे भाव में गोचर करेगा, जिससे आपके कॅरियर में कुछ परेशानियाँ आ सकती हैं, लेकिन आप अपनी बुद्धिमत्ता और निर्णय लेने की शक्ति से इनका सामना कर पाएँगे।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** मई 2025 से अक्तूबर 2025 तक बृहस्पति के छठे भाव में गोचर करने से कॅरियर में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में आर्थिक मामलों में भी आपको कुछ नुकसान हो सकता है और भाग्य का साथ कम मिल सकता है। हालाँकि 2025 के शुरुआती महीनों में शनि के आपके दूसरे भाव में गोचर करने से आपको लाभकारी परिणाम मिलेंगे। शनि आपकी समृद्धि में इजाफा करेगा और आपके परिवार की खुशियों को बढ़ाएगा।

मार्च 2025 में शनि के तीसरे भाव में गोचर करने से आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करेंगे और किसी भी कार्य को बड़े जोश के साथ करेंगे। इस अवधि में आपके प्रयासों का फल मिलने की संभावना है।

**पारिवारिक जीवन :** मई 2025 से राहु के दूसरे भाव में और केतु के आठवें भाव में गोचर करने के कारण आपको अपने परिवार

से दूर रहना पड़ सकता है। इस साल स्वास्थ्य के मामले में भी सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय काफी शुभ रह सकता है और असाधारण सफलता मिलने की संभावना है।

**दांपत्य और प्रेम जीवन :** यह समय दांपत्य जीवन के लिए भी नया सवेरा लेकर आ सकता है। आपके जीवनसाथी को परिवार और समाज में काफी मान-सम्मान और प्रतिष्ठा मिलने की संभावना है। आप इस दौरान सुख-सुविधाओं को हासिल करने पर जोर देंगे।

प्रेम जीवन की बात करें तो जो लोग अकेले हैं, उनके जीवन में भी जल्द ही प्यार दस्तक दे सकता है। प्रेमी जोड़ों के बीच रिश्ते मजबूत होंगे और यदि आप किसी को अपने प्यार का प्रस्ताव देने की सोच रहे हैं, तो यह समय आपके लिए उत्तम साबित हो सकता है।

**निष्कर्ष :** मकर राशिफल 2025 के अनुसार यह साल आपके जीवन में मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। कॅरियर और आर्थिक मामलों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन पारिवारिक और दांपत्य जीवन में खुशियाँ बनी रहेंगी। विद्यार्थियों के लिए यह साल बेहद सफल हो सकता है और प्रेम जीवन में भी सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है।

□

# कुंभ (Aquarius)

## 20 जनवरी–18 फरवरी

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** कुंभ, जिसे जलवाहक के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की ग्यारहवीं राशि है और इसका शासन एकादश भाव पर होता है। यह आँखों, रक्त और टखनों पर शासन करती है। कुंभ का स्वामी ग्रह शनि है, लेकिन इस पर यूरेनस का भी प्रभाव होता है। इस राशि का संबंध कुम्हारों, शीर्षोदय द्विपदों, स्थिर, विषम और बाह्य राशि से है। यह वनस्पति वर्ग से संबंधित है, उग्र, पुरुषलिंग और पश्चिम दिशा से जुड़ी होती है। कुंभ का संबंध टैंकों, तालाबों, शूद्र जाति और वायु तत्त्व से होता है।

कुंभ राशि चक्र की ग्यारहवीं राशि है, जो मकर राशि के पूर्व और मीन राशि के पश्चिम में स्थित है। यह वायु तत्त्व की स्थिर राशि है, जिसका प्रतीक चिह्न जलवाहक है। कुंभ राशि का स्वामी ग्रह शनि है और इस राशि के लोग अपनी बौद्धिकता, रचनात्मकता और स्वतंत्र सोच के लिए जाने जाते हैं। वे जटिल और परिवर्तनशील

स्वभाव के होते हैं, जो कभी शांत और कोमल, तो कभी यथार्थवादी और उदासीन हो सकते हैं।

**वर्ष 2025 के प्रमुख प्रभाव :** वर्ष 2025 में कुंभ राशि के जातकों को मिश्रित अनुभवों का सामना करना पड़ेगा। साल के शुरुआती महीनों में बृहस्पति कुंभ राशि के चौथे भाव में गोचर करेगा, जिससे आपके जीवन में खुशियों और समृद्धि की लहर आएगी। मई 2025 से बृहस्पति कुंभ राशि के पाँचवें भाव में गोचर करेगा और अक्तूबर से दिसंबर 2025 तक बृहस्पति छठे भाव में रहेगा। इस दौरान आपको अपने सभी प्रयासों में अच्छे परिणाम मिलेंगे और आप अधिक ऊर्जावान एवं सक्रिय महसूस करेंगे।

**कॅरियर और आर्थिक स्थिति :** शनि के पहले भाव में गोचर करने से साल की शुरुआत में आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आप किसी भी काम को बेहतरीन तरीके से कर पाएँगे और आपके रुके हुए काम फिर से गति पकड़ सकते हैं। हालाँकि मई 2025 से राहु के प्रथम भाव में और केतु के सप्तम भाव में गोचर करने से आपके प्रेम संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। अक्तूबर 2025 से 5 दिसंबर, 2025 तक आपको आर्थिक मामलों में सावधानी से चलने की आवश्यकता होगी, क्योंकि व्यापार में कोई बड़ा निवेश करने का यह सही समय नहीं होगा।

**पारिवारिक और दांपत्य जीवन :** इस वर्ष परिवार के सदस्यों के साथ आपके संबंध मजबूत रहेंगे और किसी धार्मिक संस्था से जुड़ने की भी संभावना है। माता के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी और भाई-बहनों को असाधारण सफलता

मिल सकती है। दांपत्य जीवन में सामंजस्य रहने की उम्मीद है और जीवनसाथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

**प्रेम और स्वास्थ्य :** प्रेम संबंधों के मामले में यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण रह सकता है। बेवजह की बहसें रिश्तों में खटास पैदा कर सकती हैं, इसलिए अपने प्रेमी का सम्मान करना और उनके साथ किसी खूबसूरत जगह की यात्रा करना बेहतर रहेगा।

स्वास्थ्य के मामले में इस वर्ष अचानक कुछ शारीरिक परेशानियाँ सामने आ सकती हैं। सुबह-सुबह योग और ध्यान का अभ्यास करने से आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे और इन समस्याओं से बचाव हो सकेगा।

**निष्कर्ष :** कुंभ राशिफल 2025 के अनुसार यह वर्ष आपके लिए खट्टे-मीठे अनुभवों से भरा रहेगा। जहाँ एक ओर आपको कॅरियर में प्रगति और पारिवारिक जीवन में सामंजस्य मिलेगा, वहीं दूसरी ओर प्रेम और स्वास्थ्य के मामलों में सतर्कता बरतनी होगी। आर्थिक मामलों में सावधानी से चलना आवश्यक होगा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने से आपको इस वर्ष के सभी उतार-चढ़ावों का सामना करने में मदद मिलेगी।

□

# मीन (Pisces)

## 19 फरवरी–20 मार्च

## वर्ष 2025

**राशि की बुनियादी विशेषताएँ :** मीन, जिसे मछली के रूप में दरशाया गया है, राशि चक्र की बारहवीं और अंतिम राशि है और इसका शासन द्वादश भाव पर होता है। यह पैरों पर शासन करती है और इसका स्वामी ग्रह बृहस्पति है, लेकिन इस पर नेपच्यून का भी प्रभाव होता है। मीन का संबंध जलीय स्थानों और समुद्री जीवों से है और इसमें ऊभायोदया (दोनों भागों में उदय), सामान्य, सम, गर्भ जैसी और मानव राशि के गुण होते हैं। यह कोमल, स्त्रीलिंग और नीले रंग, पैर, रात्रि, मछली, ब्राह्मण जाति और जल तत्त्व से जुड़ी होती है। इसका संबंध जलीय रोगों जैसे जलोदर से भी होता है।

**प्रमुख प्रभाव :** मीन राशि चक्र की बारहवीं और अंतिम राशि है, जिसमें दो मछलियाँ चिह्नित हैं। यह जल राशि के अंतर्गत आती है, जो भावुकता और जटिलता का मिश्रण है। वर्ष 2025

मीन जातकों के लिए सुखद और लाभकारी साबित होगा, आपकी जीवनशैली में महत्त्वपूर्ण बदलाव आ सकते हैं। व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा और यह वर्ष आपके जीवन में सौभाग्य लेकर आएगा।

**स्वास्थ्य और संबंध :** वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति आपके तीसरे भाव में गोचर करेगा, मई 2025 में चौथे भाव और अक्तूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक पाँचवें भाव में गोचर करेगा। फिर दिसंबर 2025 से चौथे भाव में वापसी करेगा। यह अवधि आपके सितारों की चमक को दरशाती है और हर क्षेत्र में सफलता की संभावना को बल देती है। हालाँकि मार्च 2025 में शनि के प्रथम भाव में गोचर करने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ और मानसिक तनाव हो सकते हैं। यह समय आपके वैवाहिक जीवन के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, इसलिए संतुलित और सावधान रहना महत्त्वपूर्ण होगा।

**व्यापार और वित्तीय स्थिति :** वर्ष 2025 की शुरुआत में शनि आपके द्वादश भाव में गोचर करेगा, जिससे विदेशों में मुनाफा कमाने के अवसर मिल सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा। मई 2025 से राहु द्वादश भाव में और केतु छठे भाव में गोचर करेंगे, जिससे खर्चे बढ़ सकते हैं और पारिवारिक कलह की संभावना हो सकती है। इस दौरान व्यावसायिक निर्णय लेते समय समझदारी से काम लें।

**शिक्षा और व्यक्तिगत जीवन :** इस वर्ष आपकी नौकरी और व्यापार में कम मेहनत में अधिक लाभ कमाने की संभावना है। मित्रों, परिवारजनों और बड़ों से पूरा सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को बड़ी सफलता मिल सकती

है। आप काम से संबंधित यात्रा कर सकते हैं और आध्यात्मिकता में वृद्धि होगी। भाई-बहनों को स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। वैवाहिक जीवन में खुशियों की उम्मीद है और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आपको प्रेमी से अधिक समर्थन और प्यार प्राप्त होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन फिट रहने के लिए नियमित व्यायाम और योग जारी रखें, अन्यथा शनि के प्रथम भाव के गोचर के कारण मोटापा हो सकता है।

**सारांश :** मीन राशि के जातकों के लिए वर्ष 2025 मिश्रित प्रभाववाला रहेगा। व्यापार और वित्तीय मामलों में सफलता प्राप्त होगी, जबकि स्वास्थ्य और वैवाहिक जीवन में सावधानी रखनी होगी। शिक्षा और व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक विकास होगा और आपकी आध्यात्मिकता में भी वृद्धि होगी।

□□□

# खगोलीय - ज्योतिषीय कैलेंडर - 2025

## जनवरी

- **1 जनवरी:** नववर्ष दिवस
- **14 जनवरी:** मकर राशि में बुध वक्री प्रारंभ
- **25 जनवरी:** सिंह राशि में पूर्णिमा - आत्म-अभिव्यक्ति, रचनात्मकता और नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करें।

## फरवरी

- **8 फरवरी:** मकर राशि में बुध वक्री समाप्त
- **9 फरवरी:** सिंह राशि में पूर्णिमा - आत्मविश्वास और अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का उत्तम समय।
- **16 फरवरी:** कुंभ राशि में अमावस्या - नवाचार और मानवीय परियोजनाओं के लिए इरादे स्थापित करने का आदर्श क्षण।

## मार्च

- **1 मार्च:** मंगल कर्क राशि में प्रवेश करता है - ऊर्जा घर और व्यक्तिगत सुरक्षा की ओर निर्देशित।
- **6 मार्च:** बुध मीन राशि में प्रवेश करता है - संचार अधिक सहज और भावनात्मक होता है।
- **21 मार्च:** वसंत विषुव (उत्तरी गोलार्ध) - संतुलन और नवीकरण का समय।
- **29 मार्च:** तुला राशि में पूर्णिमा - साझेदारी, संतुलन, और न्याय पर ध्यान दें।

## अप्रैल

- **1 अप्रैल:** बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करता है - व्यक्तिगत विकास, साहस और नई शुरुआत के लिए विस्तार।
- **8 अप्रैल:** मेष राशि में पूर्ण सूर्य ग्रहण - नई शुरुआत, साहसिक निर्णय और व्यक्तिगत पुनः आविष्कार।
- **15 अप्रैल:** मेष राशि में अमावस्या - आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ परियोजनाओं की शुरुआत के लिए उत्कृष्ट समय।
- **24 अप्रैल:** बुध वृषभ राशि में प्रवेश करता है - जमीनी और व्यावहारिक संचार शैलियाँ उभरती हैं।

## मई

- **1 मई:** शुक्र कर्क राशि में प्रवेश करता है - भावनात्मक संबंधों और परिवार पर ध्यान केंद्रित करें।
- **4 मई:** वृषभ राशि में बुध वक्री प्रारंभ - वित्त और भौतिक संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन करने का समय।
- **19 मई:** वृषभ राशि में अमावस्या - स्थिरता, वित्त, और आत्म-मूल्य से संबंधित इरादे स्थापित करें।
- **25 मई:** वृषभ राशि में बुध वक्री समाप्त।

## जून

- **16 जून:** मीन राशि में शनि वक्री प्रारंभ - सीमाओं और आध्यात्मिक प्रतिबद्धताओं पर चिंतन करने का समय।
- **17 जून:** धनु राशि में पूर्णिमा - यात्रा, रोमांच, और दार्शनिक खोजों पर ध्यान केंद्रित करें।
- **21 जून:** ग्रीष्म संक्रांति (उत्तरी गोलार्ध) - वर्ष का सबसे लंबा दिन, जो गर्मी की शुरुआत का प्रतीक है।
- **25 जून:** कर्क राशि में अमावस्या - घर, परिवार, और भावनात्मक उपचार पर ध्यान केंद्रित करने का क्षण।

## जुलाई

- **22 जुलाई:** सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करता है - आत्म-अभिव्यक्ति, आनंद, और नेतृत्व का समय।
- **30 जुलाई:** कुंभ राशि में पूर्णिमा - नवाचार, सामाजिक संबंधों, और मानवीय प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करें।

### अगस्त

- **2 अगस्त:** सिंह राशि में शुक्र वक्री समाप्त – प्रेम, सौंदर्यशास्त्र, और रिश्तों में स्पष्टता लौटती है।
- **12 अगस्त:** पर्सिड उल्का वर्षा का चरम – एक चमकदार उल्काओं का प्रदर्शन।
- **19 अगस्त:** सिंह राशि में अमावस्या – रचनात्मकता, आत्म-अभिव्यक्ति, और आनंद के इरादे स्थापित करें।

### सितंबर

- **7 सितंबर:** मंगल वृश्चिक राशि में प्रवेश करता है – जुनून और तीव्रता कार्रवाई और संकल्प को प्रेरित करती है।
- **12 सितंबर:** तुला राशि में बुध वक्री प्रारंभ – रिश्तों, निष्पक्षता, और साझेदारी में संचार पर चिंतन करें।
- **14 सितंबर:** मीन राशि में पूर्णिमा – आध्यात्मिक विकास, करुणा, और भावनात्मक उपचार पर ध्यान दें।
- **29 सितंबर:** तुला राशि में अमावस्या – सामंजस्यपूर्ण संबंधों और साझेदारी के लिए इरादे स्थापित करने के लिए आदर्श समय।

### अक्टूबर

- **2 अक्टूबर:** तुला राशि में बुध वक्री समाप्त।
- **12 अक्टूबर:** मंगल धनु राशि में प्रवेश करता है – ऊर्जा रोमांच, अन्वेषण, और व्यक्तिगत विकास की ओर बढ़ती है।
- **20 अक्टूबर:** मेष राशि में आंशिक चंद्र ग्रहण – पुराने व्यक्तिगत मुद्दों पर बंदिशें समाप्त, और नए आरंभ के लिए ब्रेकथ्रू।
- **29 अक्टूबर:** वृश्चिक राशि में अमावस्या – गहन व्यक्तिगत विकास के लिए रूपांतरण और इरादे स्थापित करने का शक्तिशाली समय।

### नवंबर

- **1 नवंबर:** बृहस्पति मिथुन राशि में प्रवेश करता है – संचार, सीखने, और जिज्ञासा का विस्तार करता है।
- **13 नवंबर:** वृषभ राशि में पूर्णिमा – स्थिरता, भौतिक सुरक्षा, और व्यक्तिगत संसाधनों पर ध्यान दें।
- **21 नवंबर:** वृश्चिक राशि में अमावस्या – रूपांतरण, व्यक्तिगत शक्ति, और गुप्त रहस्यों के उजागर होने से संबंधित इरादे स्थापित करें।

### दिसंबर

- **12 दिसंबर:** मकर राशि में बुध वक्री प्रारंभ – कार्य लक्ष्यों, व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं, और संचार रणनीतियों पर पुनर्विचार करने का समय।
- **22 दिसंबर:** शीतकालीन संक्रांति (उत्तरी गोलार्ध) – वर्ष की सबसे लंबी रात, जो सर्दी की शुरुआत का प्रतीक है।
- **31 दिसंबर:** कर्क राशि में पूर्णिमा – एक अत्यधिक भावनात्मक समय, वर्ष के अंत में परिवार, घर, और व्यक्तिगत सुरक्षा पर चिंतन करने के लिए आदर्श।

## ग्रहण और बुध वक्री अवधियाँ – वर्ष 2025

- **8 अप्रैल:** मेष राशि में पूर्ण सूर्य ग्रहण – नई शुरुआत और ताजगी के लिए महत्वपूर्ण समय।
- **20 अक्टूबर:** मेष राशि में आंशिक चंद्र ग्रहण – एक समय बंदिशों के समाप्त होने का, भावनात्मक समझ और ब्रेकथ्रू के लिए।
- **14 जनवरी – 4 फरवरी:** मकर राशि में बुध वक्री (व्यावसायिक चिंतन)।
- **4 मई – 25 मई:** वृषभ राशि में बुध वक्री (वित्तीय पुनर्मूल्यांकन)।
- **12 सितंबर – 2 अक्टूबर:** तुला राशि में बुध वक्री (संबंधों पर चिंतन)।
- **12 दिसंबर – 1 जनवरी 2026:** मकर राशि में बुध वक्री (लक्ष्यों का पुनःसंरेखण)।

**Dr. A. Shanker** is a distinguish figure in both the corporate world a Hindu-Vedic astrology. With over 2 published books and decades research, his work has unveil unique insights into astrology. Wide consulted by prominent figures, fro politicians to Bollywood stars, Shanker is known for his expertise guiding people through life's challen es using astrology. His uniq techniques, developed after years study, provide clarity and direction. addition to his professional achiev ments, Dr. Shanker has been offeri free astrology consultations for year a service that will now be expand through the launch of his ne platform, 'www.AskShanker.con making his guidance accessible to broader audience.

**डॉ. ए. शंकर** कॉर्पोरेट जगत् और हिंदू-वैदिक ज्योतिष के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। उन्होंने 20 से अधिक पुस्तकों का लेखन किया है और दशकों के शोध से ज्योतिष में दुर्लभ जानकारियाँ साझा की हैं। राजनेताओं से लेकर बॉलीवुड सितारों तक, जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए लोग उनसे ज्योतिषीय सलाह लेते हैं। डॉ. शंकर ने भृगु नाड़ी ज्योतिष का गहन अध्ययन और शोध किया है, जिसके आधार पर वे आज लोगों को स्पष्टता और दिशा प्रदान करने के लिए परामर्श देते हैं। अपने पेशेवर कार्यों के साथ-साथ डॉ. शंकर कई वर्षों से निःशुल्क ज्योतिषीय परामर्श देते आ रहे हैं और अब यह सेवा उनके नए मंच www.AskShanker.com के लॉन्च के साथ और भी अधिक लोगों तक पहुँचेगी।

प्र
PRABHAT
PRAKASHAN
www.prabhatbooks.com

ISBN 978-93-5562-984-5
9 789355 629845
₹ 250/-

eBOOK

Scan QR CODE
for all catalogues.